रविवार
09 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 4

बच्चा बिस्तर से गिर जाए तो सबसे पहले क्या करें!

पृष्ठ 5

उर्फी के ही नक्शे कदम पर चलकर इंटरनेट पर छाई श्वेता शर्मा

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 241
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है।

डॉ. विक्रम साराभाई

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आखिर 35 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन ?

❑अनफिट बस को यात्रा से क्यों नहीं रोका गया

❑किसी आरटीओ, एआरटीओ के खिलाफ कार्यवाही नहीं

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते 4 अक्टूबर की रात को पौड़ी में हुई बस दुर्घटना में 35 लोगों की जान चली गई। शासन-प्रशासन द्वारा दुर्घटना की जांच के आदेश देकर और मृतकों के परिजनों को मुआवजे की घोषणा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली गई है लेकिन इन 35 लोगों की मौत के जिम्मेवार किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सवाल यह है कि आखिर इन 35 लोगों की मौत के लिए कौन जिम्मेवार है? ऐसा लगता है कि इस बड़े हादसे जिसमें 35 लोगों की जान चली गयी भर्ती घोटालों और अंकिता हत्याकांड की गूंज में कहीं यह सवाल दबकर रह गया है कि इन मौतों के लिए जिम्मेदार कौन है।

जिस बस से यह बारात लालढांग हरिद्वार से पौड़ी जा रही थी वह बस जीएमओयू की बताई जा रही है। यह बात भी सामने आई है कि यह हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ। 32 सीटर इस वर्ष में 50 से भी अधिक लोग सवार थे। सवाल यह है कि क्या पहाड़ों पर ओवरलोडिंग को रोकने के लिए चैकिंग की कोई व्यवस्था नहीं है, अगर है तो फिर यह बस हरिद्वार से पौड़ी सिमड़ी गांव तक कैसे पहुंच गई। इतने लंबे रास्ते में इसे कहीं भी रोका क्यों नहीं गया। जबकि यह बस दुगड्डा चौकी और रिखणीखाल चौकी से होकर भी गुजरी। हादसे के बाद यह भी पता चला है कि जिस बस से यह बारात पौड़ी जा रही थी उसकी फिटनेस भी नहीं थी। तथा रास्ते में बस के ड्राइवर ने कहा कि बस अब आगे नहीं चल पाएगी वह किसी दूसरी बस का इंतजाम कर ले। मगर बारातियों ने उस पर जोर डालकर कहा कि अब थोड़ी दूर की बात और है।

सवाल यह है कि जिन लोगों पर वाहनों की जांच का दायित्व है उन्होंने इस बस को कैसे पहाड़ के सफर पर जाने दिया। क्या परिवहन विभाग के अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं। अगर है तो अभी तक किसी भी आरटीओ और एआरटीओ के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई है?

सरकार ने इन 35 लोगों की जान चले जाने जैसी बड़ी घटना पर मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख का मुआवजा देकर तथा घटना की जांच कराने के आदेश देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली है। जबकि इस भीषण हादसे में कई घरों के चिराग बुझ गए तथा कई महिलाओं के सुहाग छिन गए और कई बच्चों के सर से मां बाप का साया उठ गया। इस दुर्घटना का कारण जो भी रहा हो वह ओवरलोडिंग हो या सड़कों की खराब स्थिति अथवा परिवहन विभाग की लापरवाही, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

हिमस्खलन की चपेट में आए 10 और ट्रैकर्स के शव उत्तरकाशी पहुंचें

❑6 शव बेस कैंप में, दो अभी भी लापता

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। खराब मौसम के बीच आज तीसरे दिन हिमस्खलन की चपेट में आए 10 और पर्वतारोहियों के शव बेस कैंप से मातली हेलीपैड लाए गए। अब तक 21 शव उत्तरकाशी पहुंच चुके हैं। तथा 6 के शव अभी बेस कैंप में है जब की दो लापता ट्रैक्टर्स की खोजबीन अभी जारी है।

उल्लेखनीय है कि बीते 4 अक्टूबर को नेहरू पर्वतारोहण संस्थान का 29 सदस्यीय दल द्रोपदी के डांडा दो शिखर पर हिमस्खलन की चपेट में आ गया था। जिनकी तलाश में लगी वायु सेना, एनडीआरएफ व हाई एल्टीट्यूड वार फेयर स्कूल गुलमर्ग कश्मीर की टीम लगी हुई है। अब तक यह टीम 27 लोगों के शव बरामद कर चुकी है जबकि 2 लोग अभी भी लापता है जिनकी तलाश जारी है। वही इस टीम द्वारा बरामद किए गए सभी शवों को पहले बेस कैंप तक लाया गया जहां से आईटीबीपी के मातली

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

छात्राओं के गेस्ट हाउस के कमरे में लगा था सीसी कैमरा, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

वाराणसी। परेड कोठी स्थित एक गेस्ट हाउस में छात्राओं के कपड़े बदलने का वीडियो सीसीटीवी में कैद होने के बाद हंगामा मच गया। गेस्ट हाउस में रुके हुए एक ग्रुप का आरोप है कि कमरे में सीसी कैमरा लगा हुआ है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला की शिकायत पर होटल संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए सीसीटीवी का डीवीआर कब्जे में ले हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना सिगरा के कैंट इलाके स्थित गेस्ट हाउस मे पश्चिम बंगाल से आया एक निजी संस्था का ग्रुप ठहरा हुआ था। होटल में रुकने के दौरान कुछ घंटे के बाद ही हंगामा होने लगा। छात्राओं ने आरोप लगाया कि उन्हें जिस हॉल में रोका गया है वहां सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। इसी हॉल में महिलाएं कपड़े बदल रही थीं। छात्राओं की नजर कैमरे पर पड़ते ही वहां हंगामा खड़ा हो गया और पुलिस को मामले की सूचना दी गई। जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला की तहरीर पर गेस्ट हाउस संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही गेस्ट हाउस का सीसीटीवी और डीवीआर भी जब्त कर कब्जे में ले लिया गया है।

अब दिल्ली में 24 घंटे खुले रहेंगे रेस्टोरेंट और कई अन्य अहम प्रतिष्ठान

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने करीब 300 प्रतिष्ठानों को चौबीसों घटें खोले रखने की अनुमति दे दी है। इनमें ऑनलाइन शॉपिंग, डिलिवरी शॉप्स, होटल, रेस्टोरेंट और ट्रांसफोर्ट सेवाओं से जुड़ी चीजें भी शामिल हैं।

रविवार को एलजी कार्यालय की तरफ से इस अहम फैसले को लेकर जानकारी दी गई है। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर ने करीब 314 एप्लिकेशन्स को अप्रूव कर दिया है। इनमें से कुछ तो साल 2016 से ही पेंडिंग थे। इसके साथ ही एलजी ने यह भी आदेश दिया है कि इस अहम निर्णय से संबंधित नोटिफिकेशन 7 दिन के अंदर ही जारी किया जाए।

कई प्रतिष्ठानों को चौबीसों घंटे खुला रखने की अनुमति देते वक्त एलजी वीके सक्सेना ने अब तक इन प्रतिष्ठानों को अनुमति देने में हुई देरी को भी काफी गंभीरता से लिया है।

एलजी ने निर्देश दिया कि इस तरह के एप्लिकेशन पर तय समय सीमा के अंदर फैसला होना चाहिए ताकि दिल्ली में निवेशकों को सुविधा मिले और बिजनेस-फ्रेंडली माहौल बन सके। एलजी के फैसले के बाद अब तक यह हो गया है कि अगले हफ्ते से दिल्ली के कई अहम प्रतिष्ठान चौबीसों घटें सातों दिन खुले रहेंगे। प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए एलजी ने यह बात भी नोट की कि इन प्रतिष्ठानों को खोलने की अनुमति देने में देरी से यह पता चलता है कि श्रम विभाग अव्यवसायिक रवैया जाहिर कर रहा था। आवेदनों को प्रोसेस करने में विभाग 'पिक एंड चॉइस पॉलिसी' अपना रहा था।

पांच लाख की टप्पेबाजी में गवाला गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

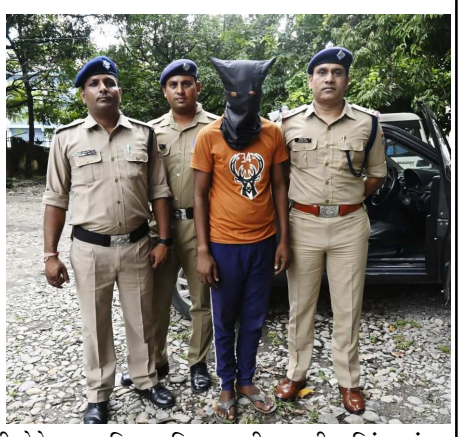

देहरादून। पांच लाख की टप्पेबाजी करने के मामले पुलिस ने गवाला गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके अन्य साथी पुलिस के हत्थे नहीं चढे। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्ष दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि 12 सितम्बर को लाखन सिहं सचान निवासी नवज्योति विहार डोईवाला देहरादून ने कोतवाली आकर मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बैंक से 05 लाख रूपया निकालकर अपने घर जा रहे थे। रास्ते मे उसने पैसों से भरा हुआ हैण्डबैग डोईवाला चौक के पास अपने परिचित व्यक्ति की ठेली के पास रखा और चाय पीने लग गये। थोडी देर में जब वह वापस जाने लगे तो पता चला कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनका पैसे से भरा बैग उठाकर ले गया है। उन्होने आस पास के लोगों से पूछताछ की तो ज्ञात हुआ कि एक अधेड उम्र का व्यक्ति उक्त बैग उठाकर ले गया है। लाखन सिंह ने पुलिस को बताया कि जब वह बैंक से पैसे लेकर अपने परिचित की ठेली के पास आया तो ठेली के पास जमीन पर 10-10 रूपये के कई नोट बिखरे पडे थे, किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसको बताया कि शायद आपके पैसे जमीन पर पडे हैं। वह जमीन पर बिखरे नोटो की तरफ गया, इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर एक अन्य व्यक्ति ठेली पर रखा पैसो से भरा बैग लेकर चला गया। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की पांच टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो यह बात सामने आयी कि टप्पेबाज अलग-अलग वाहनों से देहरादून की ओर चले गये थे। सभी रास्ते में अलग-अलग उतरकर कुछ लोग पैदल चलकर व कुछ ऑटोरिक्शा से देहरादून के रास्ते मे पडने वाले एक निजी अस्पताल में अपने आप को किसी मरीज का तिमारदार बताकर वेटिंग एरिया में करीब 03 घण्टे रुके रहे, ताकि अगर पुलिस कहीं रास्ते में चैकिंग करे तो वह पुलिस के हाथ ना आयें। अस्पताल में अपनी पहचान छिपाने के लिये उनके द्वारा आपस में एक-दूसरे से कोई बात नही की गयी। इसके बाद टप्पेबाज अपनी पहचान छिपाने के लिये अपने कपडे बदल कर अलग-अलग रास्तों से रेलवे स्टेशन व बस स्टेशन चले गये। पुलिस नें अन्य राज्यों की पुलिस से सम्पर्क करते हुये अपराधियों के फोटोग्राफ/हुलिया/चलने के तरीके आदि सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुये यह जानकारी प्राप्त हुयी कि पश्चिम बंगाल के कुछ अपराधी इस प्रकार की टप्पेबाजी की घटनाओं को अन्जाम देते हैं। जांच में टप्पेबाजों का दिल्ली से जलपाईगुडी पश्चिम बंगाल जाना ज्ञात हुआ। पुलिस टीम द्वारा जलपाईगुडी पश्चिम बंगाल पहुंचकर स्थानीय लोगों पुलिस को संदिग्ध व्यक्तियों की फोटोग्राफ दिखायी गयी तो ज्ञात हुआ कि जलपाईगुडी से करीब 40 किलोमीटर आगे फाटापुकुर नाम की जगह मे टप्पेबाजी करने वाले कुछ अपराधी रहते हैं। इस प्रकार की घटनाये करने वाले शातिर अपराधियों का एक गैंग है, जिसे गवाला गैंग के नाम से जाना जाता है। यह फाटापुकुर झांझीपुरा थाना राजगंज जिला जलपाईगुडी पं0बंगाल में रहते हैं यह गैंग कभी भी पुलिस के हत्थे नही चढा है। पूर्व में भी एक अन्य प्रदेश की पुलिस टीम कुछ उनकी गिरफ्तारी हेतु फाटापुकुर आई थी, जिनके साथ इस गैंग के लोगों एवं उनके परिवार वालों द्वारा मारपीट कर एक पुलिस कर्मी की हत्या भी कर दी थी। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा फाटापुकुर इलाके के बाहर मुख्य मार्ग पर 02 मन्दिर चिन्हित किये गये व दिन-रात मन्दिर के बाहर अभियुक्तों के आने का इन्तजार करते रहे। दिनांक 05/10/22 को दशहरे वाले दिन एक टप्पेबाज घर से बाहर निकलकर दुर्गा मन्दिर पर पहुंचा जिसकी पहचान होने पर पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मंजीत गवाला पुत्र अजीत गवाला निवासी फाटापुकुर झांझीपुरा जिला जलपाईगुडी पश्चिम बंगाल बताया। उसने अपने अन्य साथियों के नाम रवि गवाला पुत्र सदानन्द गवाला, जॉनी, विक्की, सुन्दर, शिवा, वीरु बताये। पुलिस ने उसके कब्जे से एक लाख रूपये बरामद कर लिये। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने बिन्दाल पुल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। उसके थैले की तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 62 पव्वे शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम दिल कुमार पुत्र नवल साहनी निवासी खुडबुडा मौहल्ला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ओडीएफ से आगे-संपूर्ण स्वच्छ भारत की ओर

गजेंद्र सिंह शेखावत

प्रधानमंत्री के 2 अक्टूबर, 2014 को लाल किले की प्राचीर से खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) भारत निर्माण के स्पष्ट आह्वान के बाद, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गया, बल्कि यह एक जन आंदोलन बन गया। परिणाम दुनिया के सामने है। 2 अक्टूबर, 2019 तक 110 मिलियन शौचालयों का निर्माण हुआ और हमारी 550 मिलियन ग्रामीण आबादी को घरेलू स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच प्राप्त हुई, जिससे भारत ओडीएफ स्थिति और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभावों को हासिल करने में सक्षम हुआ। माननीय प्रधानमंत्री को उल्लेखनीय रूप से बेहतर स्वास्थ्य परिणामों और उसके बाद के आर्थिक लाभ के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट फाउंडेशन के ग्लोबल गोल कीपर्स अवार्ड 2019 से सम्मानित किया गया।

एक स्वस्थ राष्ट्र, एक सशक्त राष्ट्र होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व में, एसबीएम ने भारत को दुनिया की पांचवीं अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यूनिसेफ के एक स्वतंत्र अध्ययन में कहा गया है कि ओडीएफ गांवों में रहने वाले औसत परिवार ने प्रति वर्ष 50,000 रुपये का संचयी लाभ अर्जित किया, और नए शौचालय वाले घरों के संपत्ति-मूल्य में एक बार के लिए 19,000 रुपये की वृद्धि देखी गई। औसतन, नए घरेलू शौचालयों की कुल लाभ लागत से 4.7 गुना अधिक पाई गई।

महात्मा गांधी की जयंती- 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस 2022 मनाने के क्रम में, एसबीएम अपने दूसरे चरण में दो साल से अधिक पूरे कर चुका है और ओडीएफ की उपलब्धि हासिल करने के बाद अब ओडीएफ प्लस के लिए प्रयासरत है। आइए हम इसे आसान शब्दों में समझते हैं- एसबीएम-जी के चरण द्वद्व, ओडीएफ प्लस के मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं- शौचालयों के निर्माण और उपयोग से आगे बढ़कर समग्र सार्वभौमिक स्वच्छता की दिशा में शौचालयों का निरंतर उपयोग; हमारे घरों व समुदायों से उत्पन्न जैविक रूप से अपघटित होने वाले और गैर-अपघटित रहने वाले कचरे सहित ठोस एवं तरल अपशिष्ट का पर्यावरण-अनुकूल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य प्रबंधन और परिणामत: स्वच्छ परिवेश का निर्माण आदि। यह संपूर्ण स्वच्छता के गांधीवादी सिद्धांतों के अनुरूप है और ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) के लिए समर्पित और विशिष्ट तकनीकी उपायों के माध्यम से स्वच्छता मिशन के चरण द्वद्व के हिस्से के रूप में आजीविका के अवसरों के सृजन से जुड़े हमारे उद्देश्य का भी समर्थन करता है।

देश भर के हजारों गांवों में, ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन अब घरेलू स्तर पर कचरे को गीले एवं सूखे कचरे में अलग-अलग करके और घर- घर जाकर इसके संग्रहण के जरिए से किया जा रहा है। पंचायतों और महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को कंपोस्टिंग और जहां संभव हो वहां बायोगैस के उत्पादन के जरिए गीले कचरे के प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो बाद में आय सृजन का साधन बन जाता है। घरों और विभिन्न संस्थानों से निकले प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन गांवों में फॉरवर्ड लिंकेज की व्यवस्था के साथ संग्रहण एवं अलगाव केंद्रों के जरिए किया जा रहा है। प्लास्टिक कचरे को टुकड़े- टुकड़े में बांट करके उसे उपयुक्त रूपों में परिवर्तित कर दिया जाता है, जिससे इसका सड़क निर्माण और सीमेंट कारखाने जैसी गतिविधियों में आगे इस्तेमाल संभव हो पाता है। इस क्रम में आजीविका का सृजन होता है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक के वंदसे की ग्राम पंचायत में खाद एवं एकत्रित किए गए सूखे कचरे की बिक्री से प्रति माह लगभग 88,000 रुपये मिलते हैं। इसी तरह, 100 केएलडी की क्षमता वाली जल शोधन प्रणाली की सहायता से हरियाणा के कुरक जागीर की ग्राम पंचायत में मछली पालन में इस्तेमाल किए जाने वाले शोधित अपशिष्ट जल के जरिए मछली पालन से सालाना लगभग एक लाख रुपये जुटाए गए हैं। ग्रामीण भारत से रोजाना सामने आने वाली ऐसी कई कहानियों के ये दो प्रतिनिधि उदाहरण भर हैं।

ऐसे ही कई विकल्पों में से एक गोवर्धन योजना भी है। हमारे गांवों को रसोई से निकलने वाले बचे हुए खाद्य पदार्थों, फसलों के अवशेष और बाजार के कचरे सहित पशु एवं अन्य जैव-अपशिष्टों के प्रबंधन की चुनौती का सामना करना पड़ता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने 'कचरे से कंचन' बनाने का विचार दिया। इस प्रकार, गोवर्धन योजना के तहत 125 जिलों में लगे 333 गोवर्धन संयंत्र न सिर्फ खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन प्रदान कर रहे हैं और/या कई घरों में रोशनी बिखेर रहे हैं, बल्कि कई लोगों के लिए नौकरी और आय का स्रोत भी सृजित कर रहे हैं। यह वास्तव में एक 'अपशिष्ट से धन' की प्रणाली है जो जैव-अपघटित कचरे को संग्रहित करने और कचरे को संसाधनों में बदलने, जीएचजी उत्सर्जन को कम करने व कच्चे तेल के आयात पर हमारी निर्भरता को कम करने, उद्यमशीलता को सुदृढ़ करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने में मदद करती है।

घरेलू अपशिष्ट जल (शौचालय से निकलने वाले पानी को छोड़कर), जिन्हें तकनीकी रूप से 'गंदला पानी' (ग्रे वाटर) कहा जाता है, के प्रबंधन के लिए सुजलम 1.0 और सुजलम 2.0 अभियान की शुरुआत यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी कि तालाब, झील और नदी जैसे मूल्यवान ग्रामीण प्राकृतिक जल संसाधनों को इस किस्म का अपशिष्ट जल दूषित नहीं करे। मलयुक्त गाद के प्रबंधन के लिए, हम राज्यों को सभी एकल-पिट वाले शौचालयों को दोहरे- पिट वाले शौचालयों में बदलने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिनमें शोधन की सुविधा अंतर्निहित होती है। सेप्टिक टैंक जैसे अन्य प्रकार के शौचालयों के लिए, मलयुक्त गाद के शोधन संयंत्रों में सेप्टेज और मल अपशिष्ट के संग्रह, परिवहन व शोधन सहित मलयुक्त गाद की प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

उपर्युक्त सभी कदमों के अलावा लोगों को सुरक्षित स्वच्छता प्रणालियों और तौर-तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु उनके व्यवहार में बदलाव लाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए 'स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस)' अभियान चलाया जा रहा है जिसमें एसबीएम के तहत वार्षिक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाना, बेहद पुराने कचरे या अपशिष्ट एवं कचरे की भरमार वाले स्थलों की सफाई पर ध्यान केंद्रित करना, कचरे के निकलने वाले स्थल पर ही उसका पृथक्करण सुनिश्चित करना, कचरा संग्रह एवं पृथक्करण शेड का निर्माण करना, कचरा संग्रह वाहनों को खरीदना, घर-घर जाकर गैर-जैवकीय कचरे का संग्रह करना, जल स्रोतों को साफ रखना, वृक्षारोपण, एकल उपयोग वाली प्लास्टिक (एसयूपी) पर लगाए गए प्रतिबंध को लागू करवाना, इत्यादि शामिल हैं। इस वर्ष 2 करोड़ से भी अधिक लोगों ने श्रमदान के जरिए एसएचएस 2022 में भाग लिया, और 4,60,000 से अधिक पुराने कचरे के ढेरों की पहचान की गई एवं उन्हें साफ किया गया। पिछले ढाई वर्षों में हमारे समस्त प्रयासों से क्या-क्या हासिल हुआ है मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि 1.14 लाख से भी अधिक गांवों ने स्वयं को 'ओडीएफ प्लस' घोषित कर दिया है और लगभग 3 लाख गांवों ने 'ओडीएफ प्लस' बनने की अपनी यात्रा शुरू करते हुए ठोस व तरल कचरा निपटान कार्य बाकायदा शुरू कर दिए हैं।

इसके तहत मुख्य लक्ष्य छह लाख 'ओडीएफ प्लस' गांवों को बनाना और इसके साथ ही ऐसा करते हुए ग्रामीण भारत में रहने वाले लोगों को रोजगार मुहैया कराना एवं उनका आय स्तर बढ़ाना है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के जिम्मेदार और गौरवान्वित नागरिकों के रूप में आइए हम सभी 'स्वच्छता से स्वाबलंबन' के अपने प्रयासों के तहत एकजुट हो जाएं और समस्त वैश्विक समुदाय के लिए संपूर्ण स्वच्छता और साफ-सफाई की एक अनुकरणीय मिसाल बन जाएं!

जय हिंद!

(लेखक केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री, भारत सरकार हैं)

युवं चित्रं ददथुर्भोजनं नरा चोदेथां सूनृतावते।

अर्वाग्रथं समनसा नि यच्छतं पिबतं सोम्यं मधु।।

(ऋग्वेद ७-७४-२

हे विद्वानों ! आप हमारे शरीर,आत्मा और बुद्धि के लिए उत्तम भोजन कैसे प्राप्त हो उसके लिए हमें प्रेरित करें। आप अपने सुंदर रथ पर हमारे समीप आकर हमारी श्रद्धा के मधुर रसों का पान करें। हम शांति के पथ पर एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते हुए सत्य धर्म का प्रचार करें और उन्नति प्राप्त करें।

O scholars ! May you be a source of inspiration for us on how to obtain the best food for our body, soul and intellect. Come near us on your beautiful chariot and drink the sweet juices of our reverence. Let us spread the Satya Dharma and achieve progress by co-operating with each other on the path of peace.

(Rig Ved 7-74-2)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में केन्द्रीय राज्य मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी डॉ. संजीव बालियान ने शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केंद्रीय राज्य मंत्री के मध्य राज्य में मत्स्य पालन एवं पशुपालन के क्षेत्र में चल रही विभिन्न योजनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अनेक लोग मत्स्य पालन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य भी कर रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि राज्य में मत्स्य पालन एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार से हर संभव मदद दी जाएगी।

चोरों ने दो दुकानों के ताले तोड हजारों की नगदी व सामान किया चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने एक ही रात में दो दुकानों के ताले तोड वहां से हजारों की नगदी व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनपुर निवासी अभिनव पंवार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी आईपीएस कालोनी के पास दुकान है गत रात्रि चोरों ने उसकी दुकान का ताला तोडकर वहां से चालीस हजार रूपये नगद व बीस हजार की सिगरेट आदि सामान चोरी कर लिया है। वहीं अपर राजीव नगर निवासी ठाकुर सिंह ने भी राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी धोरण पुल पर दुकान है। गत रात्रि चोरो ने उसकी दुकान का ताला तोडकर वहां से दो हजार रूपये नगद व बीस हजार की सिगरेट आदि सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोड लाखों का सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिलासपुर काण्डली निवासी जीतेश मलहन ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह घर पर आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा घर के अन्दर से गैस सिलेण्डर, फ्रीज व घर का अन्य सामान गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

25 लाख की चोरी में ड्राईवर के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। कार में रखे 25 लाख रूपये चोरी करने के मामले में ड्राईवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगोत्री एन्क्लेव निवासी स्वर्ण सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी कार घर के बाहर खडी थी तथा कार में उसके 25 लाख रूपये रखे हुए थे। जब वह थोडी देर बाद वापस कार में आया तो उसके 25 लाख रूपये गायब थे तथा उसका चालक अमित कुमार निवासी मुजफ्फरनगर भी कार में नहीं था। उसने उसको फोन किया तो उसका फोन भी स्वीच ऑफ जा रहा था। उसने बताया कि उसका ड्राईवर अमित कुमार ही उसके 25 लाख रूपये चोरी करके भाग गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार की चपेट में आकर घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीति विहार निवासी दुष्यन्त रिच्छारिया ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गोरखपुर चौक के पास सडक किनारे खडा था तभी एक कार चालक के द्वारा तेजी व लापरवाही से कार चलाते हुए उसको टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। कार चालक कार को लेकर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऐशियन जूनियर टेनिस में हेरिटेज स्कूल की दिया ने जीते दोहरे खिताब

संवाददाता

देहरादून। ऐशियन जूनियर टेनिस प्रतियोगिता में एकल व युगल में हैरिटेज स्कूल की दिया चौधरी ने दोहरे पदक जीतकर सफलता प्राप्त की।

भारत की तीसरी वरियता प्राप्त देहरादून हेरिटेज स्कूल कैंप्स की दिया चौधरी ने ऐशियन जूनियर टेनिस अंडर -14 के बालिका एकल एवं बालिका युगल प्रतियोगिता के खिताब जीत कर दोहरी सफलता प्राप्त कर प्रदेश एवं देहरादून का नाम रोशन किया। लखनऊ मे गोमती नगर स्थित विजयन्तखंड टेनिस स्टेडियम पर खेले गये बालिका एकल के फाइनल मे तीसरी वरीयता प्राप्त देहरादून की दिया चौधरी ने शेरी शर्मा को तीन सेटों तक चले मुकाबले मे 5-7,6-1,7-5 से हरा कर खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग के युगल फाइनल मुकाबले मे दिया चौधरी एवं शेरी शर्मा की जोड़ी ने अलीना फरीद एवं श्रावस्ती कुंडलिया की जोड़ी को आसानी से सीधे सेटों में 6-3,6-3 से

हरा कर खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि यूपी के एडीजी पीएसी डॉक्टर केएस प्रताप कुमार ने पुरस्कार वितरित करते हुए यूपी टेनिस एसोसिएशन को शानदार टूर्नामेंट कराने के लिए बधाई दी। उन्होंने जीतने वाले खिलाड़ियों को शुभकामना देने के साथ सभी खिलाड़ियों के खेल की प्रशंसा की।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के सचिव पुनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बीसी तिवारी, पेडल यात्री साइकिलिंग एसोसिएशन के सचिव आनंद किशोर पाण्डेय के साथ टूर्नामेंट रेफरी सोमनाथ मन्ना और समित केसरी भी मौजूद रहे। समापन व पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन प्रसिद्ध टेनिस कोच अनिल कुमार ने किया।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दूसरे की जमीन को अपना बताकर पांच लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार साईलोक कालोनी जीएमएस रोड निवासी विवेक उनियाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान अपर गंगानगर निवासी संजय अग्रवाल से हुई। संजय ने उसको ऋषिकेश में एक जमीन दिखायी तथा अपने आप को जमीन का मालिक बताया। जिसके बाद दोनों में सौदा तय होने के बाद उसने संजय को पांच लाख रूपये दे दिये। जिसके बाद संजय रजिस्ट्री के लिए उसको टालता रहा। उसको इसी दौरान पता चला कि संजय ने उसको किसी अन्य की जमीन को अपना बताकर उससे पांच लाख रूपये ठग लिये हैं। उसने जब संजय से अपने रूपये वापस मांगे तो उसने उसको जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

करन माहरा पंचायत चुनाव में हुई धांधली के खिलाफ करेंगे सत्याग्रह

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के अध्यक्ष करन माहरा कल 10 अक्टूबर को हरिद्वार जिला पंचायत के चुनाव में भाजपा सरकार द्वारा की गई धांधली के खिलाफ हरिद्वार में सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर सत्याग्रह करेंगे।

यह जानकारी देते हुए उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने सरेआम जिला पंचायत चुनाव में धांधली कर लोकतंत्र का अपहरण किया है कांग्रेस ने इस मामले को लेकर सड़कों पर आने का फैसला किया है। उन्होने कहा कि सारा राज्य जानता है कि इन चुनावों में भाजपा को जिताने के लिए सत्ता और धन का भारी दुरुपयोग किया गया है यही नहीं विपक्ष के जीते हुए उम्मीदवारों को भी धनबल के दम पर दल बदल के लिए बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक ओर तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने दल बदल कानून लाने में बड़ी पहल की थी परंतु आज उसी भाजपा के नेता दल बदल के जरिए दल बदल कानून का जनाजा निकालने पर लगे हैं।

धीरेंद्र प्रताप ने कहा किसी सामाजिक और राजनीतिक बुराई का पर्दाफाश करने के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने 10 अक्टूबर को सड़क पर संघर्ष का रास्ता चुना है। जिसमें कल सैकड़ों कार्यकर्ता भाग लेंगे।

यूकेएसएसएससी परीक्षा घोटालों में सीबीआई जांच जरूरी: लालचंद

नगर संवाददाता

देहरादून। युकेएसएससी परीक्षा घोटाले मामले में आरोपी तो पकड़े जा रहे हैं, लेकिन न्यायालय में कमजोर पैरवी की जा रही है। नतीजन चार आरोपियों को कोर्ट से जमानत मिल गई, ऐसे में प्रदेश के युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि राज्य में की गई सारी विवादित भर्तियों की जांच सीबीआई से कराई जाये।

मीडिया को जारी एक बयान के माध्यम से यह बात आज देहरादून कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि उत्तराखंड अधि नस्थ चयन सेवा आयोग की पिछले साल हुई भर्तियों में पेपर लीक कराने और परीक्षा पास कराकर सरकारी नौकरी देने के मामले मे अब तक 41 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें बीजेपी नेता हाकम सिंह को ही मास्टर माइंड बताया दिया गया। वहीं, कांग्रेस के मानना है कि इसमें बड़ी मछलियां शामिल हैं। हाकम सिंह तो मात्र एक मोहरा है। इसी तरह पेयजल निगम, ऊर्जा निगम सहित अन्य विभागों में भी भर्ती घोटालों की बात उजागर होती रही है। ऐसे में सीएम पुष्कर सिंह धामी को पूरे विवादित मामलों की सीबीआइ से जांच करानी चाहिए। ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को पेपर लीक मामले में चार आरोपियों को देहरादून कोर्ट से जमानत मिल गई है। मामले में पंतनगर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त अधिकारी दिनेश चंद्र जोशी समेत चार आरोपितों को जमानत मिली। ऐसे में अन्य आरोपियों के जेल से रिहा होने का रास्ता भी साफ होने लगा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कमजोर पैरवी की जा रही है। जिसके परिणामस्वरूप ही आरोपियों के लिए जमानत के रास्ते खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले के साथ ही अन्य परीक्षाओं और नियुक्तियों में हुई धांधली में सरकार को सीबीआइ जांच करानी चाहिए। उन्होने कहा कि कांग्रेस इस मांग को लेकर सरकार पर निरंतर दबाव बनाएगी और प्रदेश के युवाओं को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाएगी।

सीएम धामी ने पंच दशनाम जूना अखाड़ा की पवित्र छड़ी यात्रा का स्वागत एवं अभिनन्दन किया

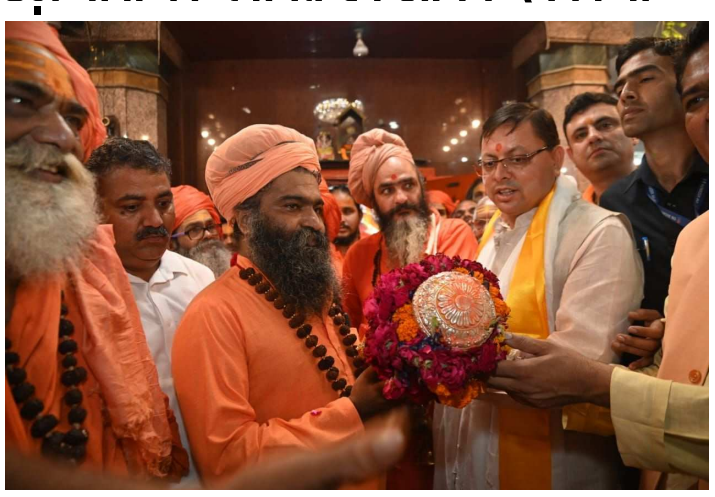

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंच दशनाम जूना अखाड़ा की पवित्र छड़ी यात्रा का हरिद्वार स्थित अधिष्ठात्री माया देवी मन्दिर एवं आनन्द भैरव मन्दिर में विधि विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। अनेक धार्मिक स्थलों की परिक्रमा कर जूना अखाड़ा की पवित्र छड़ी यात्रा हरिद्वार से चारधाम यात्रा के लिए रवाना होगी।

इस पुनीत अवसर पर अखाड़े के अन्तर्राष्ट्रीय संरक्षक एवं अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्री महन्त हरिगिरि जी महाराज, जूना अखाड़ा के अध्यक्ष श्री महंन्त प्रेम गिरि, निरंजनी अखाड़े के राष्ट्रीय सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महन्त रविन्द्र पुरी, सुमेरू पीठ के शंकराचार्य नरेन्द्र गिरि जी महाराज, श्री महन्त केदारपुरी, श्री महन्त महेश पुरी, श्रीमहन्त शैलेन्द्र गिरि, श्रीमहन्त सुरेशानन्द पूजारी, पशुपति गिरि, वशिष्ठ गिरि पूजारी, पूर्व विधायक श्री संजय गुप्ता, जिलाधिकारी श्री विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 योगेन्द्र सिंह रावत, सिटी मजिस्ट्रेट श्री अवधेश कुमार सिंह, एसडीएम श्री पूरण सिंह राणा, एसपी सिटी श्री स्वतंत्र कुमार सहित अधिकारीगण, पदाधिकारी एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कनखल स्थित सूरत गिरि बंगले में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान एवं वेदस्थली शोध संस्थान द्वारा आयोजित क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन में प्रतिभाग किया। इस मौके पर महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानन्दजी महाराज, ललितानन्द गिरिजी महाराज, हरिद्वार सांसद डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक, जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 योगेन्द्र सिंह रावत उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कनखल स्थित शंकराचार्य आश्रम में जगद्गुरु शंकराचार्य राजराजेश्वराश्रम से भेंट की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने जगतगुरू आश्रम में स्वामी ब्रह्मलीन श्री प्रकाशानन्द जी महाराज को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

बच्चा बिस्तर से गिर जाए तो सबसे पहले क्या करें!

छोटे बच्चों की केयर करना इतना आसान नहीं होता। बच्चे बहुत नाजुक होते हैं। उन्हें पकड़ने से लेकर यह ध्यान रखना कि उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो, काफी मुश्किल होता है।

वैसे नवजात अपनी जगह से ज्यादा इधर-उधर नहीं हो पाते लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप उन्हें ऐसे ही अकेले छोड़कर जा सकते हैं। बच्चों की प्रवृत्ति होती है कि वे अपने पैर चलाते रहते हैं और अपने हाथ फैलाते रहते हैं, इस वजह से उनके पलटने और बिस्तर से गिरने का खतरा बढ़ जाता है।

आप भले ही पूरे घर को बच्चे के लिहाज से सेट कर लें लेकिन इस बात की गारंटी नहीं है कि आपके बच्चे को चोट नहीं लगेगी। हो सकता है कि आप बस उसकी दूध की बॉटल उठाने के लिए ही मुड़ें और आपका बच्चा बेड से नीचे आ जाए।

अगर बच्चा सिर के बल गिरा है तो सबसे पहले चेक करें कि कहीं खून तो नहीं आ रहा या कहीं सूजा तो नहीं है। भले ही बच्चा गिरने के बाद ठीक दिख रहा हो फिर भी इसे मेडिकल इमरजेंसी के तौर पर लें और डॉक्टर को फोन करें। कई बार बच्चे डरकर भी रोते रहते हैं, उन्हें गले से लगाकर थपथपाएं।

बच्चे की 24 घंटे मॉनिटरिंग करें ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई है। कुछ ऐसी सिचुएशंस हैं जब आपको तुरंत डॉक्टर के पास ट्रीटमेंट के लिए जाना चाहिए...

बच्चा बेहोश हो जाए

खून आ जाए

हड्डी टूटने के लक्षण दिखें

सिर में फ्रेक्चर का शक हो

बच्चा तेज रोए

इसके अलावा अगर आपको लगे कि बच्चा अजीब तरह से व्यवहार कर रहा है तो तुरंत उसे डॉक्टर के पास ले जाने की जरूरत है। पैरंट्स को यह ध्यान रखना चाहिए कि भले ही बच्चे में तुरंत को दिक्कत न नजर आए लेकिन बाद में भी बच्चा अगर किसी तरफ करवट वगैरह लेने में रो रहा है या सो नहीं पा रहा तो डॉक्टर से मिल लें।

चंद मिनट में पाएं तन की दुर्गन्ध से मुक्ति

आप अपने तन की दुर्गन्ध को छिपाने के लिए तेज परफ्यूम लगाते हैं या डियो का उपयोग करते हैं। कई बार इससे आपके आस-पास के लोग परेशानी महसूस करते हैं। क्योंकि हर गंध हर किसी को पसंद नहीं आती। साथ ही कुछ समय बाद ये सब तरीके बेअसर हो जाते हैं और आप शरीर की दुर्गंध से परेशान होने लगते हैं। इससे बचने के लिए अपनाएं ये घरेलू तरीके।।।

शरीर से आने वाली पसीने की बदबू से तुरंत छुटकारा पाने के लिए कॉटन बॉल्स की मदद से शरीर के उन हिस्सों में गुलाबजल लगाएं जहां से दुर्गंध आ रही हो। इसके बाद आप ऐंटिबैक्टीरियल क्रीम लगा सकते हैं। इससे आपको दोबारा जल्द ही बॉडी ऑडर से परेशानी नहीं होगी। साथ ही पसीने वाली जगह पर खुजली भी नहीं होगी।

आप अपनी पसंद की खुशबू वाला कोई भी असेंशल ऑइल खरीदकर हर समय अपने साथ रखें। कॉटन बॉल्स की मदद से इस ऑइल को सुबह नहाने के बाद और दिन में जब भी बॉडी ओडर की समस्या हो तो इस ऑइल को लगा लें। आप भीनी-भीनी खुशबू से महकने लगेंगे।

आप एक चम्मच सिरका आधा कप पानी में मिलाएं और संबंधित एरिया पर कॉटन की मदद से लगाएं। दो-तीन मिनट ऐसा करने के बाद कॉटन को साफ पानी में भिगोएं और इस जगह की सफाई कर दें। आपको तुरंत राहत मिलेगी।

नारियल का वर्जिन ऑइल बॉडी ओडर से मुक्ति पाने का आसान तरीका है। आप हर रोज रात को सोने से पहले शरीर के उन हिस्सों पर नारियल तेल से हल्की मसाज करें जहां दुर्गंध आती है। कुछ दिन ऐसा करने पर आपको आराम मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य -94

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

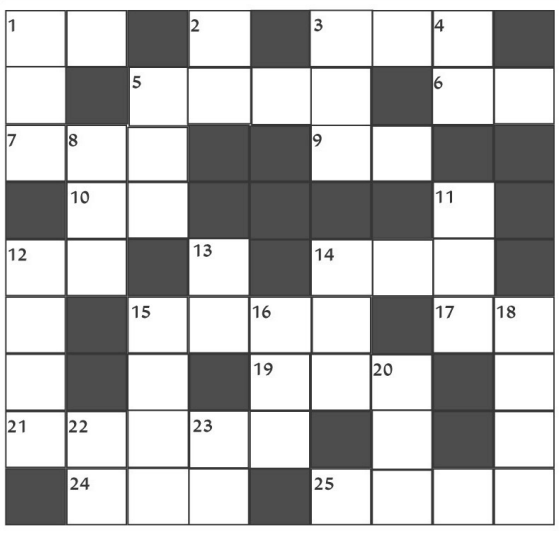

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 93 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

उर्फी के ही नक्शे कदम पर चलकर इंटरनेट पर छाई श्वेता शर्मा

टीवी की मशहूर अभिनेत्री उर्फी जावेद अपने लुक एवं ऑउटफिट को लेकर अक्सर सुर्ख़ियों में छाई रहती हैं। आए दिन उनकी फोटोज एवं वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। उर्फी आए दिन अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपनी

फोटोज साझा करती हैं तथा हर एक में उनका अंदाज अनोखा होता है। उर्फी के ही नक्शे कदम पर श्वेता शर्मा भी चल पड़ी हैं। उनकी तस्वीरें देखकर कई लोग उन्हें भोजपुरी की उर्फी जावेद कह रहे है। श्वेता भोजपुरी फिल्मों का जाना-पहचाना नाम बन गई हैं, साथ ही सोशल मीडिया पर भी खूब ख़बरों में रहती हैं।

बता दें कि सोशल मीडिया पर श्वेता शर्मा अपने बोल्ड लुक का लेकर अक्सर ख़बरों में रहती हैं। लोग उन्हें भोजपुरी की उर्फी जावेद भी बोलते हैं। आपको बता दें कि श्वेता शर्मा ने रितेश पांडे के साथ गजब करईहा नाम के एल्बम से भोजपुरी फिल्मों में कदम रखे थे। अपने पहले ही भोजपुरी गाने से श्वेता शर्मा खूब मशहूर हो गईं।

श्वेता शर्मा सोशल मीडिया पर भी बहुत एक्टिव रहती हैं। लुक और स्टाइल के मामले में वह भोजपुरी एवं बॉलीवुड अभिनेत्री से कम नहीं हैं। श्वेता आए दिन अपनी बोल्ड फोटोज प्रशंसकों के साथ शेयर करती दिखाई देती हैं। फोटोज में उनका लुक और अंदाज देखने लायक होता है। यही कारण है कि श्वेता की फोटोज और वीडियो खूब वायरल होते हैं। श्वेता शर्मा की बोल्ड अदाएं उनके प्रशंसकों को खूब पसंद आती हैं। श्वेता शर्मा पर ट्रेडिशनल एवं वेस्टर्न हर प्रकार के परिधान खूब जमते हैं। श्वेता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बिकिनी में भी खूब फोटोज शेयर की हुई हैं। जिन्हे देखकर फैंस उन्हें भोजपुरी की उर्फी जावेद कह रहे है।

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर साई मन्दिर के सामने निवास करने वाले प्रदीप कुमार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा

देहरादून (सं)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर घडी व मोबाइल तोडकर जलाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टीएचडीसी कालोनी निवासी गंगा सिंह बिष्ट ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर के बाहर खडा था तभी रमेश सिंह बिष्ट अपने साथियों के साथ वहां पर आया और उसके साथ गाली गलौच करने लगा उसने जब उसका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करते हुए उसका मोबाइल व घडी तोडकर जला दी तथा उसको जान से मारने की ध मकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑटो से बैटरी चोरी

देहरादून (सं)। ऑटो से बैटरी चोरी करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इनामुल्ल बिल्डिग निवासी नीरज करीम ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका ऑटो उसके घर के बाहर खडा था। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसके ऑटो से बैटरी गायब थी। आसपास के लोगों ने उसको बताया कि आसिफ व सलमान नामक युवक उसके ऑटो से बैटरी चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बेड टाइम रूटीन फॉलो करने से सुधरेगी आपकी लाइफस्टाइल

बचपन में साइंस की किताब में बेड टाइम रूटीन के बारे में आपने भी पढ़ा होगा, लेकिन हम में से कितने ही लोग इसे फॉलो करते थे. सोने से पहले ब्रश करना, पैर धोकर बेड पर जाना, खाने के तुरंत बाद नहीं सोना ये कुछ ऐसी बातें हैं, जो हम बचपन से सुनते आ रहे हैं पर केवल सुनते ही आ रहे हैं. हम में से ज्यादातर लोग इसका पालन नहीं करते.

हम बिना कुछ किए एक थकाऊ दिन के बाद बिस्तर पर फैलकर सो जाना चाहते हैं. लेकिन ये सारी आदतें एक अनहेल्दी लाइफस्टाइल का हिस्सा बन जाती हैं और इसका असर हमारे स्वास्थ्य पर तुरंत न भी तो एक वक्त के बाद नज़र आने लगता है. ऐसे में आज हम यहां आपको अपनी बेड टाइम रूटीन सुधारने के कुछ आसान टिप्स देने जा रहे हैं. जिससे कि आप अपनी लाइफस्टाइल सुधारने की एक और कोशिश कर सकें-

रिलैक्स का अर्थ है फुर्सत से सांस लें, पानी पीएं, अपने मनपसंद का काम करें. अक्सर महिलाएं ऑफिस से घर जाते ही इस चिंता में डूब जाती हैं कि आज डिनर में क्या बनवाऊं या बनाऊं. इस परिस्थिति

में आप अपनी ये आदत बदलें.

कुछ ऐसा करें जिससे आपको वास्तव में आनंद मिलता हो. यह आप अपने साथी या परिवार के साथ भी कुछ समय बिता सकते हैं.

बिस्तर से ठीक पहले खाया गया भारी भरकम खाना या स्नैक्स नींद में खलल डाल सकते हैं. यदि आप बिस्तर पर जाने के दौरान भूखे हैं तो हल्का नाश्ता खाएं. कम कार्बोहाईड्रेट और प्रोटीन युक्त खाने जैसे जैसे, सेब, दही आदि खाएं.

हम में से ज्यादातर लोगों को रात में सोते वक्त मोबाइल फोन इस्तेमाल करने की आदत होती है. लेकिन क्या आपको पता है कि यह हमारी आंखों के साथ स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक है.

आप टीवी देख सकते हैं क्योंकि यह आपकी आंखों से काफी दूर होता है. हममें से ज्यादातर लोग जानते हैं कि फोन या कंप्यूटर से निकलने वाली नीली रोशनी का प्रभाव नींद की गुणवत्ता और सतर्कता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है.

रोज एक ही समय पर सोने जाएं, ऐसा करने से एक रूटीन सेट हो जाता है और आपकी बॉडी उसी के हिसाब से सेट हो जाती है. (आरएनएस)

रोज़ाना दो ग्लास सॉफ्ट ड्रिंक पीने से बढ़ता है मौत का खतरा

एक ताजा अध्ययन के अनुसार, रोजाना चीनी या आर्टीफिशियल स्वीटनर वाली सॉफ्ट ड्रिंक पीने से समय से पहले मौत का जोखिम बढ़ जाता है. कुल 10 यूरोपीयन देशों के 4,50000 प्रतिभागियों के ऊपर की गई सर्वे में ये बात सामने आई है. जामा अंतरराष्ट्रीय मेडिसीन में छपे इस अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने सॉफ्ट ड्रिंक का लोगों के स्वास्थ्य के ऊपर हो रहे असर का अध्ययन किया.

यह पाया गया कि जो लोग प्रति दिन दो या अधिक ग्लास सॉफ्ट ड्रिंक पीते थे, उनकी मृत्यु दर उनके मुताबिक अधिक थी जो प्रति माह एक ग्लास से कम सॉफ्ट

ड्रिंक का सेवन करते थे.

शोधकर्ताओं ने पाया कि सॉफ्ट ड्रिंक के रोज़ाना सेवन से पाचन संबंधी रोग ज्यादा होते हैं. इसके अलावा सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद फास्फोरिक एसिड हमारी हड्डियों को कमजोर बना देती हैं. इसके रोजाना सेवन से वजन तो बढ़ता ही है साथ ही आपको कैफीन की लत भी लग जाती है. गैस की प्रॉब्लम और नींद न आने की समस्या भी इससे जुड़ी हुई होती है.

इसके लगातार सेवन से आपको माइग्रेन, मेमोरी लॉस होना, इमोशनल डिसऑर्डर्स, देखने में कमी होना, सुनने में कमी होना, सांस लेने में दिक्कत होना जैसे कई सारे रोग हो सकते हैं.(आरएनएस)

बालों को पूरा पोषण देकर सुंदर और मजबूत बनाता है लहसुन के तेल

लहसुन में पाया जानेवाला सेलेनियम तत्व हमारे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने का काम करता है। इसका तेल बालों की जड़ों में लगाने से बालों को अधिक मात्रा में पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है। लहसुन के तेल में मौजूद सल्फर बालों के लिए बहुत लाभदायक होता है। यह सिर की त्वचा में मौजूद रोम छिद्रों की सफाई का काम भी करता है। बालों मजबूत बनाता है और उन्हें झड़ने से रोकता है।

इतना ही नहीं लहसुन का तेल बालों में लगाने से इरिटेटेड स्कैल्प भी शांत होते हैं और सिर से डैंड्रफ की समस्या भी दूर होती है। आप लहसुन के तेल को किसी अन्य हेयर ऑइल के साथ मिलाकर बालों की जड़ों में लगा सकते हैं। आप चाहें तो इसके साथ हेयर मास्क भी तैयार कर सकते हैं।

-लहसुन के तेल और नारियल तेल को अपने बालों की लंबाई के हिसाब से आधा-आधा मिला लें। अब इस तेल से अपने सिर पर बालों की जड़ों में हल्के

हाथों से मसाज करें। इसके साथ ही पूरे बालों पर इस तेल को अच्छी तरह लगाएं। आधा से एक घंटा बाद शैंपू कर लें।

- लहसुन का तेल शहद में मिलाकर भी आप बालों के लिए हेयर मास्क तैयार कर सकते हैं। बालों की लंबाई के हिसाब से शहद लें और उसमें थोड़ा सा लहसुन का तेल मिला लें। अब इस मास्क को 30 मिनट तक बालों पर लगाएं रखें और फिर शैंपू कर लें। अगर आपके पास लहसुन का तेल उपलब्ध नहीं है तो आप लहसुन की कुछ कलियों को छीलकर पीस लें और इसमें हल्का गुनगुना नारियल का तेल मिला लें।

अब इस मिश्रण को बालों पर लगाएं और 30 मिनट बाद शैंपू कर लें। यह भी बालों के लिए लाभदायक होता है। इससे बालों और सिर की त्वचा को विटमिन सी, सल्फर, केरेटिन की प्राप्ति होती है और बाल मजबूत बनते हैं।

हिंदी की पट्टी में मल्लिकार्जुन खड़गे ही नहीं दक्षिण भी बेमतलब!

हरिशंकर व्यास

मल्लिकार्जुन खड़गे नाम का कांग्रेस चेहरा भाजपा के लिए सुकून वाला है। इसलिए क्योंकि उत्तर भारत और उसकी कथित गंगा-जमुनी संस्कृति के हिंदीभाषी लोगों में दक्षिण के चेहरे का होना व न होना बराबर है। उनके अध्यक्ष चुने जाने से पहले ही गोदी मीडिया उन्हें गांधी परिवार की कठपुतली बताने लगा है। खड़गे की जगह यदि दिग्विजय सिंह, अशोक गहलोत अध्यक्ष बन रहे होते तो हिंदी भाषी इलाकों में कुछ चखचख होती। मतलब विंध्य के इस पार के गुजरात-मध्य प्रदेश-छतीसगढ़ से ऊपर के उत्तर भारत तक राजनीति, जातीय हिसाब-किताब की गपशप में दिग्विजयसिंह या अशोक गहलोत के चेहरे पर कौतुक जरूर बनता। उत्तर भारत की चौपालों पर तब बहसबाजी, तू-तू, मैं-मैं होती। लेकिन दक्षिण भारतीय नेता को ले कर उत्तर में न कौतुक बनना है और न उम्मीद। यह रियलिटी इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली और उसके ईर्द-गिर्द की गोबरपट्टी के हिंदुओं को इतिहास से कैसा श्राप मिला हुआ है।

क्या मतलब? पहले जानें कि मसला भूगोल, धर्म और समाज व्यवस्था की भिन्नताओं, विविधताओं का ही नहीं है, बल्कि सोच-समझ, दिमाग, मनोदशा और मनोविज्ञान का भी है। इसकी बदौलत भारत के उत्तर और दक्षिण के चेतन और अचेतन दोनों में भारी फर्क है। विंध्य के इस पार के उत्तर बनाम उस पार के दक्षिण का मनोविज्ञान फर्क लिए हुए है। उत्तर में बुद्धम शरणम् गच्छामि के वक्त से अलग मिजाज, अलग बुद्धि और उस अनुसार अलग उसका इतिहास बना है।

समझ सकते हैं कि इस विषय, इसकी दास्तां और इतिहास विशाल तथा गंभीर है। मोटा मोटी मेरा मानना है कि उत्तर की पांच नदियों और गंगा-जमुना-सरस्वती के किनारे सनातनी ऋषि-मुनियों-विचारकों-तपस्वियों ने स्मृति-श्रुति-लेखन से भाषा-सभ्यता-संस्कृति में जो कुछ सनातन बनाया वह बाद में इन्हीं नदियों की घाटियों, इनके किनारे बसे पंडितों, कर्मकांडियों, मध्यकालीन साधु संतों और बाबाओं-महात्माओं-महामंडलेश्वरों-कथावाचकों की करनियों के प्रदूषणों, अंधविश्वासों और भ्रष्टताओं से बरबाद हुआ। नतीजतन उत्तर भारत गुलाम और गोबरपट्टी होता गया। वह विधर्मियों-मुगलों के हमलों का चरागाह हुआ। विदेशियों की लूट का एपिसेंटर बना। जनजीवन भक्ति-भाग्य-गुलामी में ढला। सनातनी पुरुषार्थ, बौद्धिकता, ज्ञान-विज्ञान, वेद-वेदांग-उपनिषद्-दर्शन-विचार और सनातनी शास्त्रार्थ की परंपरा ही विस्मृत हो गई। इनकी जगह लीलाएं, रामलीला-कृष्ण लीला, रासलीला, झांकियों, यात्रा के साथ तुलसीदासजी की चौपाईयों, सत्यनारायण की कथा व उन्नीसवीं सदी के एक धर्म नेता श्रद्धानंद फुल्लौरी का लिखा 'जय जगदीश हरे' की आरती पूरे धर्म का गीत बनी।

जाहिर है शास्त्र की जगह आरती, बुद्धि की जगह भक्ति, कर्म की जगह समर्पण, अपने पर विश्वास के बजाय भाग्यवाद और पूरा जीवन दुख, लाचारगी, इच्छा, भूख-भय के कारण ईश्वर की अवतार कथाओं से इंतजारी में बंधा या माई-बाप सरकार पर आश्रित। कुल मिलाकर जिन नदियों की घाटियों, किनारों और कछार में सनातनी सभ्यता-संस्कृति, हड़प्पा-मोहनजोदड़ो का वैभव बना था उस सबका ऐसा बेड़ागर्क जो उत्तर भारत गुलामी के जंजाल में धसता हुआ और जनजीवन सौ टका शास्त्र व शास्त्रार्थ विमुख। बुद्धि पर ताले और दिमाग सिर्फ और सिर्फ भक्ति-दर्शन व भजन करते हुए।

ऐसा दक्षिण में नहीं हुआ। यदि होता तो धुर दक्षिण के शृंगेरी से आदि शंकराचार्य उत्तर भारत आ कर सनातन धर्म की चिंता में क्या कर्मकांडियों से बहस करते? वे क्यों भारत की सांस्कृतिक एकजुटता के लिए चारों दिशाओं में मठ बनाते?

मैं भटक गया हूं। कहां से कहां चला गया! लेकिन भारत और हिंदुओं के इतिहास, वर्तमान व भविष्य का यह दो टूक सत्य है जो उत्तर भारत के हम सनातनी लगातार अल्पबुद्धि के साबित हैं। इस खासियत की वजह अलग है कि बावजूद इसके सनातन धर्म मिटा नहीं। मतलब विदेशी हमलों और सैकड़ों साल के इस्लामी राज के बावजूद आदि मूल सनातन धर्म बचा रहा। लेकिन मेरा मानना है कि जिसके कारण बचे हैं और मीर कासिम, गोरी के हमलों के बाद भी उत्तर में मथुरा, काशी, अयोध्या, सोमनाथ, संस्कृत, गुरूकुल की अंतरधारा जिंदा रही तो एक वजह दक्षिण से उत्तर की और चेतना का प्रवाह था। तभी यह सोचना गलत नहीं है कि सभ्यता-संस्कृति का मूल और सत्व-तत्व तथा धरोहर का जिंदा रहना दक्षिण की वजह से है। गोबरपट्टी के दोआब में सब लगातार मिटता-विलीन होता गया जबकि दक्षिण की ठोस-पठारी जमीन ने हिंदू धर्म का अस्तित्व मिटने नहीं दिया।

मेरी इस थीसिस के साक्ष्य विंध्य पार सब तरफ मिलेंगे। वहां आज भी कला-संगीत-सभ्यता-संस्कृति और हिंदू राजाओं व राज व्यवस्था के बेजोड़ खंडहर हैं। उत्तर भारत के हर हिंदू को हंपी, तंजावुर, मदुरै, तिरूपति सहित दक्षिण के सभी मंदिरों और महर्षि अरविंद आश्रम से लेकर शृंगेरी में शंकराचार्य मठ के साथ वहां के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को जा कर देखना-समझना चाहिए। तब अपने आप तुलना बनेगी कि क्या है दक्षिण भारत और कैसी है गंगा-जमुना की गोबरपट्टी? पेरियार-अन्नादुरई के तमिलनाडु में सामाजिक न्याय बनाम गोबरपट्टी के नीतीश-लालू यादव के सामाजिक न्याय में दिन-रात का फर्क दिखेगा। केरल में स्वास्थ्य-चिकित्सा और शिक्षा की रियलिटी बनाम इन्हीं दो बातों पर दिल्ली में केजरीवाल या गुजरात मॉडल के ढोंग की असलियत समझ आएगी। ऐसे ही डिजिटल इंडिया या क्रांतिकारी गुजरात मॉडल से लेकर दिल्ली में मोदी सरकार की कार्य संस्कृति, डबल इंजिन जैसे जुमलों की हकीकत को यदि आंध्र व तेलंगाना की कार्यसंस्कृति से तुलना करें तो दिन रात का फर्क मिलेगा।

हां, आंध्र में चंद्रबाबू नायडू ने दशक पहले कैबिनेट की बैठक को डिजिटल टैबलेट पर पहुंचा दिया था। यह भी सत्य है कि दक्षिण में गांव स्तर की आगंनवाड़ी कर्मचारी भी टैब पर काम करती है तो मंत्रियों-अफसरों-बाबुओं की फाइलें, फैसलों की रफ्तार और उसका प्रभावीपन इतना जबरदस्त है कि भारत सरकार के सचिवों, उसके कैबिनेट सचिव के बस में भी वैसे काम करना संभव नहीं है। खासकर उत्तर भारत में नौकरी किए हुए अफसरों के। मोदी सरकार के पीएमओ में झूठ की फसल की पैदाइश की काबलियत के एक अपवाद को छोड़ कर उनके यहां तथा उत्तर भारत के भाजपा मुख्यमंत्रियों-मंत्रियों या नीतीश-गहलोत के सीएमओ और कैबिनेट में दस प्रतिशत भी वह दक्षता नहीं है जो जगन रेड्डी या के चंद्रशेखर राव के मुख्यमंत्री दफ्तर से लेकर वहां पंचायत तक मिलेगी।

उत्तर भारत के सरकारी दफ्तर बिना एचआर के हैं। सब नौकरी करने वाले, दो नंबर की कमाई और रूतबे के चेहरे हैं। ये अफसर-कर्मचारी सौ टका नौकरीनिष्ठा व सत्ता गुलामी में जीते हैं, जबकि दक्षिण के राज्यों के सरकारी दफ्तर में एचआर, ट्रेनिंग, काबलियत, जवाबदेही के संस्कार भी मिलेंगे। आप पूछेंगे इसके प्रमाण क्या है? तो जवाब है कि तभी उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत के विकास का फर्क चौड़ा होते हुए है। यदि भारत की इकॉनोमी बड़ी हो रही है तो ऐसा होना दक्षिण भारत के राज्यों के कारण है। उत्तर भारत के लड़के-लड़कियों को यदि रोजगार मिल रहा है तो वह बहुसंख्या में दक्षिण भारत से है। ऐसे ही केंद्र सरकार का जीएसटी कलेक्शन दक्षिण के बूते है। यह सत्य-तथ्य है कि लगभग पूरा दक्षिण भारत अब फील कर रहा है कि वे उत्तर भारत की गरीब आबादी और वहां की निकम्मी सरकारों के कारण बोझ में हैं। दक्षिण के राज्य कमाई-मेहनत करते हैं, उनके राज्यों से केंद्र की मोटी रेवेन्यू है मगर मोदी सरकार उस अनुपात में उन्हे टैक्स इनकम नहीं लौटाती। अधिक आबादी के हवाले उत्तर भारत को ज्यादा पैसा बंटता है। इस पहलू पर तमिलनाडु के वित्त मंत्री ने बाकायदा दक्षिण भारत में गंभीर बहस बनवा दी है।

निश्चित ही दक्षिण भारत भी भारत के कुएं का हिस्सा है और पूरे कुंए में क्योंकि भ्रष्टाचार, बेईमानी, झूठ, पोपुलिस्ट नुस्खों की भांग घुलीमिली है तो यह सब दक्षिण भारत की राजनीति व सत्ता में भी है। बावजूद इसके वहां काबलियत, बड़ी सोच, विरासत, आबोहवा व भाषा (संस्कृत हो या लोकभाषा), शास्त्र-शास्त्रार्थ व घर-परिवारों में बुद्धि आग्रह आदि कारणों से जहां लोक व्यवहार, सत्ता-प्रशासन का व्यवहार उत्तर भारत से अलग है तो धर्म आचरण में भी फर्क है। संस्कार-चरित्र में भी फर्क है। उत्तर भारत की तरह वहां बाबाओं, कथावाचकों और अंधविश्वासियों के झमेले कम हैं। वहां समाज, घर-परिवार के रिश्तों में वह टूट, वह बिखराव, वह लूट, वह भूख नहीं है जो उत्तर भारत के हिंदी अखबारों के क्राइम पेजों से रोज बेइंतहां जाहिर होती है।

आजाद भारत के 75 वर्षों का एक और सत्य जानें। पचहत्तर वर्षों में दक्षिण के नेता हमेशा, वक्त से पहले वक्त को समझने वाले हुए। कांग्रेस में भी गांधी, नेहरू, पटेल से ज्यादा मैं सच्चा-विचारवान नेता सी राजगोपालाचारी को मानता हूं। इस महामना ने अकेले विभाजन के साथ आबादी ट्रांसफर और लिबरल-पूंजीवादी व्यवस्था को अपनाने के लिए कहा था। नेहरू को खूब समझाया। नेहरू ने समाजवाद-मिश्रित आर्थिकी के मॉडल को अपनाया तो राजगोपालाचारी ने स्वतंत्र पार्टी बनवाई। ऐसे ही पेरियार-अन्नादुरई ने सामाजिक न्याय और नास्तिकता का तब हल्ला बनाया जब उत्तर भारत सोया हुआ था।

सू- दोकू क्र.94

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खांड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.93का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

लोकतंत्र के लिए चिंता

बाइडेन ने कुछ समय पहले चेतावनी दी थी कि अमेरिकी लोकतंत्र खतरे में है। अब लगभग यही बात मैक्रों ने कही है। उन्होंने जिन लोकतांत्रिक देशों के संकट का जिक्र किया, उनमें अमेरिका शामिल है।

अगर जो बाइडेन और इमैनुएल मैक्रों कहें कि पश्चिम का उदार लोकतंत्र खतरे में है, तो इस बात को अवश्य ही गंभीरता से लेना चाहिए। दोनों ऐसे देश के राष्ट्रपति हैं, जिनके बारे में समझा जाता है कि आधुनिक लोकतंत्र को स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। बाइडेन ने कुछ समय पहले चेतावनी दी थी कि वहां होते तीखे ध्रुवीकरण के कारण अमेरिकी लोकतंत्र खतरे में है। अब लगभग यही बात मैक्रों ने कही है। उन्होंने भी जिन लोकतांत्रिक देशों के संकट का जिक्र किया, उनमें अमेरिका शामिल है। मैक्रों ने कहा कि वर्षों से अस्थिर करने की जारी कोशिशों के कारण ये स्थिति पैदा हुई है। अपनी ताजा अमेरिका यात्रा के दौरान दिए एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने ये चेतावनी दी। जब अमेरिकी लोकतंत्र के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यहां की स्थिति हम सबके लिए चिंता का कारण है। मैक्रों ने कहा- मेरी राय है कि हमने 18वीं सदी के बाद जो कुछ निर्मित किया, वह आज दांव पर लग गया है। इन बात से आज बहुत कम लोग असहमत होंगे। लेकिन इस हाल की वजह क्या है, जब

इस प्रश्न पर चर्चा होती है, तो मतभेद उभर कर सामने आ जा सकते हैं।

एक आलोचना यह है कि बाइडेन और मैक्रों जैसे नेता जब लोकतंत्र के खतरे में होने की बात करते हैं, तो उनका मतलब यथास्थिति के लिए पैदा हुए खतरे से होता है। जबकि यह खतरा इसलिए पैदा हुआ है, क्योंकि यथास्थिति लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में नाकाम रही है। यह स्थिति लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं से निजात दिलाना तो दूर, बल्कि उन्हें अधिक गंभीर बनाने का कारण बन गई है। तो लोग ज्यादातर धुर दक्षिणपंथ और कहीं-कहीं वामपंथ के ध्रुव पर गोलबंद हो रहे हैं। मैक्रों इस वर्ष अप्रैल में दूसरे कार्यकाल के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गए थे। लेकिन जून में वहां हुए संसदीय चुनावों में उनकी पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाई। इन चुनावों में वामपंथी और धुर दक्षिणपंथी नेताओं को बड़ी सफलता मिली। ऐसा ट्रेंड कई देशों में दिखा है। तो समाधान क्या है, नेताओं को उस पर ध्यान देना चाहिए। वरना, ऐसी चेतावनियों से कुछ हासिल नहीं होगा।

सामाजिक संस्था ने मेयर गामा के जन्म दिवस पर काटा केक

नगर संवाददाता

देहरादून। श्री महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था द्वारा देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा के निवास स्थान पर जन्मदिवस का केक काटा और मिस्ठान वितरण किया गया। वहीं दोपहर में शिर्डी श्रद्धा धाम मंदिर तिलक रोड क्षेत्र में फल वितरण किये गये।

संस्था के अध्यक्ष अंकुर जैन और कायकारी अध्यक्ष दीपक जेठी ने बताया की मेयर सुनील उनियाल गामा उनके बहुत पुराने और अति विशिष्ट हैं, वह हर वर्ष इसी तरह उनका जन्मदिन मनाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेयर गामा शहर में सफाई व्यवस्था में अहम योगदान दे रहे है जो किसी से भी छुपा नहीं है और जनता का उनको पूरा-पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मेयर शहर सफाई व्यस्था में अपना योगदान देते रहेंगे। इस मौके पर अंकुर जैन, दीपक जेठी, आलोक अग्रवाल, मनी ढींगरा, कार्तिक बंसल, हर्ष सूरी, ऋषभ माटा, विनीत नागपाल और संस्था के अन्य सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

चाईल्ड पोनोग्राफी करने पर मुकदमा

देहरादून (सं)। पुलिस ने सोशली मीडिया के माध्यम से चाईल्ड पौनेग्राफी करने पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने मेहूंवाला निवासी जुल्फिकार पर नेट व सोशली मीडिया के माध्यम से चाईल्ड पौनेग्राफी की सात मिनट की वीडियो तैयार करने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भगवान वाल्मीकि का प्रकट दिवस धूमधाम से मनाया

नगर संवाददाता

हरिद्वार। मां गंगा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा हर की पैड़ी पर भगवान वाल्मीकि का प्रकट दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष अरुण कुमार लोहिया, मंत्री मनोज चौहान ने भगवान वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वाल्मीकि भगवान ने ब्रह्मा जी के वरदान स्वरूप राम जन्म से पहले ही उनकी जीवन लीला लिख दी थी। उनका ज्ञान अथाह सागर के समान था। उन्होंने बताया कि अगर भगवान वाल्मीकि ने रामायण न लिखी होती तो शायद आज हम भगवान राम के जीवन से भी परिचित न हो पाते इस अवसर पर मां गंगा वेलफेयर सोसाइटी के मंत्री राजेंद्र श्रमिक, बृजकिशोर शर्मा विकी, दीपक लोहिया, अमित, हर्ष, अंकित, प्रेम, मांगेराम, नन्नू, साजन, अजय व ध्रुव आदि उपस्थित रहे।

हिमस्खलन की चपेट में आए 10 और..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

हेलीपैड लाया जा रहा है। अब तक उत्तरकाशी 21 शव लाए जा चुके हैं जबकि 6 शव जो अभी बेस कैंप में ही हैं उन्हें लाया जाना बाकी है तथा दो अन्य जो अभी लापता है उन्हें तलाश किया जाना बाकी है। खराब मौसम के कारण बचाव व राहत कार्य में मुश्किलें आ रही है।

आज जिन 10 शवों को उत्तरकाशी लाया गया है उन सभी की शिनाख्त की जा चुकी है इनमें दो ट्रैकर्स उत्तराखंड के भी शामिल हैं जिनके नाम सतीश रावत और कपिल पंवार हैं। जबकि एक गुजरात के अर्जुन सिंह व दिल्ली के अतुल का है इसके अलावा बेंगलुरु के रक्षित कुमार व विक्रम एम के शव हैं। इस हादसे का शिकार हुए युवाओं के परिजन उत्तरकाशी में मौजूद हैं तथा अपने बच्चों के इस तरह हुए दुखद अंत पर उनके आंसू नहीं थम रहे हैं इस मौके पर मौजूद गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान आज इन परिजनों को ढाढस बंधाते नजर आए।

लिफ्ट देकर लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। राह चलते लोगों को लिफ्ट देने के बहाने लूट की घटना को अंजाम देने वाले दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुवंर ने बताया कि लोकेन्द्र कुमार पुत्र चेतराम सिंह निवासी ग्राम पित्थापुर थाना स्योहारा जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश द्वारा थाना डोईवाला पर आकर एक रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कल दिनांक 06/10/22 की रात्रि बिजनौर से देहरादून के लिए चला था। जब वह हरिद्वार पहुंचा और स्टेशन के बाहर बस का इंतजार करने लगा तो उसको एक व्यक्ति ग्रे कलर की आई 20 कार के साथ मिला और कहने लगा कि वह उसको बस के किराये पर छोड देगा। उस कार में देहरादून जाने वाली एक सवारी पहले से ही बैठी थी, वह भी उस कार में बैठ गया। जब हम लालतप्पड से करीब 02 किमी आगे चले तो चालक ने हाईवे से लिंक रोड की तरफ मोड लिया एकांत में ड्राईवर ने गाडी रोक दी पीछे बैठे व्यक्ति ने उसके सिर पर वार कर उसकी जेब से 600 रूपये व एटीएम कार्ड निकाल लिया उसे एकांत में छोडकर भाग गये। वहीं थाना रानीपोखरी में भी वादिनी बबीता पंवार निवासी भट्ट नगरी खाला रानीपोखरी के साथ भी रात्रि में एक प्राईवेट कम्पनी से काम के बाद घर लौटने के दौरान भानियावाला तिराहा पर कार सवार ने उसको लिफ्ट दी और रास्ते में उससे रूपये लूट लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर लिये। पुलिस ने दो टीमों का गठन किया। गठित टीमों के द्वारा घटना को अंजाम देने वाले मनीष रावत पुत्र सुरेन्द्र सिह रावत निवासी वर्तमान पता लोअर तुनवाला, इन्द्रजीत सिंह बाजवा पुत्र गुरदीप सिह बांजवा वर्तमान निवासी एकता विहार कालोनी मोहक्मपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि मनीष रावत पूर्व में टैक्सी ड्राईवर था तथा इन्द्रजीत पहले अमेरिका में रहता था, 2016 दिल्ली आ गया था पिछले दो साल से देहरादून में अपनी पत्नी के साथ किराये में रहा था। इन्द्रजीत ने मियांवाला शराब ठेके के पास चिकन पकौडे की ठेली लगायी, वही उसकी मुलाकात मनीष रावत से हुयी। दोनो नशा करने के आदी थे, इसलिए दोनो मे दोस्ती हो गयी। बेरोजगार होने पर दोनों ने लूट की योजना बनायी थी। पुलिस ने दोनों के कब्जे से लूट के मोबाइल व ऐयर पिस्टल बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने सहारनपुर रोड बैरियर के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ।

पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 15 ग्राम स्मैक बरामद कर ली तथा स्मैक बेचकर कमाये 12 हजार 500 रूपये भी बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल लखेडा पुत्र गौतम लखेडा निवासी जमनीपुर बताया।

वहीं सहसपुर थाना पुलिस ने दरारेट के पास एक युवक को आठ ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम आरिफ पुत्र ईरशाद निवासी मुस्लिम बस्ती विकासनगर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

क्या माफियाओं के निर्देश पर हटाई गई डाकपत्थर बैराज की सुरक्षाः मोर्चा

नगर संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा पिन्नी ने कहा कि जनपद देहरादून के डाकपत्थर बैराज (हेड रेगुलेटर पुल) की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 29/11/1989 में उक्त क्षेत्र को अति संवेदनशील घोषित किया गया था तथा उसके क्रम में कई वर्षों तक दिन-रात यहां पुलिस पिकेट तैनात रहती थी तथा उस पर आवाजाही लगभग प्रतिबंधित थी। यहां तक कि मोटर कार, बस, ट्रक इत्यादि का नंबर, आवागमन का समय तक का हिसाब पुलिस द्वारा रखा जाता था, लेकिन विगत कुछ वर्षों से खनन माफियाओं, नेताओं एवं अधिकारियों की सांठगांठ के चलते वहां से पुलिस पिकेट हटा ली गई है।

उन्होने कहा कि पुलिस के उच्चाधिकारियों की सांठगांठ के चलते इस मामले में शासन तक को गुमराह किया गया है। कहा कि डाकपत्थर बैराज से सुरक्षा हटाने के मामले में न तो गृह विभाग को कोई खबर है और न ही पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड को। सवाल यह उठता है कि क्या माफियाओं के इशारे पर पुलिस सुरक्षा हटाई गई है। शर्मा ने कहा कि इस मामले को लेकर मोर्चा द्वारा सूचना आयोग में दस्तक दी गई, जिस पर गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए सूचना आयुक्त विपिन चंद्र ने शासन को निर्देश जारी किए कि किसके निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था हटाई गई तथा उत्तर प्रदेश सरकार के नोटिफिकेशन के बाद अगर उत्तराखंड शासन द्वारा कोई समीक्षा/नोटिफिकेशन कर सुरक्षा व्यवस्था हटाने के निर्देश दिए गए हैं तो उस पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें।

बैराज की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी लगभग 3-4 वर्षों से संघर्षरत हैं। बैराज की सुरक्षा व उसकी संवेदनशीलता के मामले में अभिसूचना विभाग तथा पुलिस खुद उक्त क्षेत्र को अति संवेदनशील मान चुका है। शर्मा ने कहा कि हजारों करोड की परियोजना को खनन माफियाओं के हाथों बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

उत्तर प्रदेश में सड़कों का बुनियादी ढांचा अमेरिका के बराबर होगाः नितिन गडकरी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इंडियन रोड कांग्रेस के 81वें अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। यहां गडकरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 2024 से पहले सड़क पर कुल पांच लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि सड़कों का बुनियादी ढांचा अमेरिका के बराबर होगा। दरअसल, आठ से 11

अक्टूबर तक आयोजित हो रहे इस अधिवेशन में सड़क निर्माण से जुड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के 2500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश पांचवीं बार आईआरसी की मेजबानी कर रहा है। गडकरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वह कुल सात हजार करोड़ रुपये की सौगात दे रहे हैं, जिसमें शाहाबाद बाईपास-हरदोई बाईपास पर 1212 करोड़ रुपये, शाहजहांपुर से शाहाबाद बाईपास (35 किलोमीटर) पर 950 करोड़ रुपये, मुरादाबाद से काशीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 2007 करोड़ रुपये, गाजीपुर-बलिया मार्ग पर 1708 करोड़ रुपये और 13 रेलवे उपरिगामी सेतु पर 1000 करोड़ रुपये की और अन्य कई परियोजनाएं शामिल हैं।

दो बच्चे पैदा करने के बीच सबसे ज्यादा अंतर मुसलमान रख रहे हैंः ओवैसी

नई दिल्ली। प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागत के जनसंख्या नियंत्रण वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुसलमानों की आबादी बढ़ नहीं बल्कि घट रही है। एक जनसभा के दौरान ओवैसी ने कहा, मुसलमानों की आबादी नहीं बढ़ रही है। तुम टेंशन में मत डालो, हमारी आबादी गिर रही है, मुसलमानों का टीएफआर गिर रहा। औवैसी ने कहा कि दो बच्चे पैदा करने के बीच सबसे ज्यादा अंतर मुसलमान रख रहे हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा कंडोम मुसलमान इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन मोहन भागवत इस पर नहीं बोलेंगे। दरअसल मोहन भागवत ने दशहरे के दिन एक कार्यक्रम में बयान दिया था, जहां उन्होंने कहा था कि राष्ट्र को सभी सामाजिक समूहों पर समान रूप से लागू एक व्यापक जनसंख्या नियंत्रण नीति तैयार करनी चाहिए और समुदाय आधारित जनसंख्या असंतुलन एक महत्वपूर्ण विषय है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

बारावफात के जुलूस निकलने के दौरान बड़ा हादसा, 5 लोगों की मौत

बहराइच। यूपी के बहराइच में बारावफात के जुलूस निकलने के दौरान बड़ा हादसा हो गया है। जिसके बाद 5 लोगों की मौत हो गई है। दरअसल, बारावफात के जुलूस में मौजूद लोग और बच्चे झंडे लेकर चल रहे थे तभी अचानक झंडा हाई वोल्टेज लाइन से टकरा गया जिसकी वजह से जुलूस में शामिल 7 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 5 लोगों ने दम तोड़ दिया जबकि बेहद नाजुक अवस्था में 2 घायलों को लखनऊ के लिए रवाना किया गया है जिसमें से 1 की मौत हो गई। घटना की सूचना पाने के बाद मौके पर प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। मामले की जांच की जा रही है कि आखिर जुलूस में किस वजह से करंट लगा है ओर लोग जुलूस लेकर कैसे निकल रहे थे। फिलहाल 6 लोगों की मौत से गांव में कोहराम मच गया है और जुलूस की खुशियां मातम में तब्दील गई है। बहराइच एसएसपी केशव चौधरी ने बताया कि यह हादसा बारावफात के जुलूस निकालने के दौरान हुआ। इसी के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के भी निर्देश दिए हैं।

पहाड़ पर मौसम का ट्रिपल अटैक

भूस्खलन, बारिश व बर्फबारी पड़ रही है जनजीवन पर भारी

❑बर्फबारी के कारण रोकी हेमकुंड साहिब यात्रा
❑केदारघाटी व बद्रीनाथ में वर्षा व बर्फबारी
❑जगह-जगह भूस्खलन, सड़के बंद यात्री फंसे

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते 2 दिनों से उत्तराखंड राज्य में भारी बारिश और बर्फबारी ने जनजीवन पर ब्रेक लगा दिया है। तथा जगह-जगह भूस्खलन की घटनाओं के कारण कई प्रमुख सड़कों और संपर्क मार्गों के बाधित हो जाने से लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य की तमाम नदियों, नालों व खालो का जलस्तर बढ़ गया है। राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में वर्षा और बर्फबारी के कारण तापमान में आई भारी गिरावट के चलते सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है।

राज्य में जब मानसून की विदाई का समय था बेमौसम बारिश और भारी बारिश ने लोगों को मुसीबत में डाल दिया है। राज्य के ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में बीते 2 दिनों से भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है। चमोली से प्राप्त समाचारों के अनुसार हेमकुंड साहिब के कपाट बंद होने से 1 दिन पूर्व यहां हुई भारी बर्फबारी से पूरे क्षेत्र में बर्फ की मोटी परत जमा हो गई है। चमोली जिला प्रशासन द्वारा भारी बर्फबारी व बारिश के कारण हेमकुंड साहिब की यात्रा को रोक दिया गया है। वही बद्रीनाथ धाम और आसपास के क्षेत्रों में भी भारी बारिश और बर्फबारी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रुद्रप्रयाग से प्राप्त समाचार के अनुसार केदार घाटी की पहाड़ियां भी बर्फ से ढक गई हैं तथा केदारघाटी में कड़ाके की सर्दी से यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। जबकि अभी कपाट बंद होने में 15 दिन का समय शेष है।

नैनीताल और हल्द्वानी से प्राप्त समाचारों के अनुसार यहां भी बीते 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है जिसके कारण फसलों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। गोला, कोसी तथा नागौर नदियों का जलस्तर अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया है चोरगलिया नाले में उफान आने के कारण लोग जान हथेली पर लेकर उसे पार कर रहे हैं। उधर पिथौरागढ़ लोहाघाट हाईवे पर भारी भूस्खलन की खबरें हैं। लोहाघाट-टनकपुर के बीच कई जगह मार्ग बंद हो गया वहीं टिहरी-नरेंद्र नगर मार्ग भी मलबा आने से बंद हो गया है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार अभी 10-11 अक्टूबर तक राज्य में बारिश का क्रम जारी रहेगा।

कार खाई में गिरी, दो की मौत तीन घायल

हमारे संवाददाता

चमोली। सड़क दुर्घटना में कल देर शाम एक कार के खाई में गिर जाने से जहां दो लोगों की मौत हो गयी वही तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतको और घायलों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार बीती देर शाम गाडीगांव के समीप एक अल्टो कार दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में जा गिरी। जिसमें सवार पांच लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर कोतवाली चमोली से पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राजस्व पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर अल्टो कार सवार पांच लोगों को जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लाया गया है।

बताया जा रहा है कि वाहन में सवार लोग पूजा करने के उपरांत अपने घर जोशीमठ की ओर जा रहे थे। हादसे में कर्ण सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी करची जोशीमठ, देव सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी करची जोशीमठ की मौत हो गई है। जबकि गोविंद सिंह पुत्र जगत सिंह, गंगा सिंह पुत्र गौर सिंह, बलवीर सिंह पुत्र हुकुम सिंह निवासी करची जोशीमठ घायल हुए हैं। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है तथा हादसे की सूचना परिजनों को दे दी गई है।

सड़क दुर्घटना में भाई-बहन की मौत, एक घायल

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सड़क दुर्घटना के चलते आज सुबह एक कार के खाई में गिर जाने से जहां भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं एक महिला गम्भीर रूप से घायल हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतकों का शव कब्जे में लेकर घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है। घटना कोटद्वार मोटरमार्ग परसुंडाखाल के समीप की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को सूचना मिली की पौड़ी से कोटद्वार की ओर जा रही एक कार परसुंडाखाल के समीप 30 मीटर नीचे खाई में जा गिरी है। जिसमें सवार 3 लोगों में से दो की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि एक महिला गम्भीर रूप से घायल हुई है। बताया जा रहा है कि दोनो मृतक भाई बहन थे। जिनका नाम वीर सिंह पंवार व सुनीता पंवार है जो ग्राम बुरासी पौड़ी के निवासी थे।

गिरी कार्मिक आवासीय परिसर की दीवार, मची अफरा तफरी

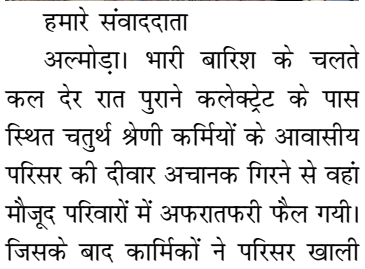

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। भारी बारिश के चलते कल देर रात पुराने कलेक्ट्रेट के पास स्थित चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के आवासीय परिसर की दीवार अचानक गिरने से वहां मौजूद परिवारों में अफरातफरी फैल गयी। जिसके बाद कार्मिकों ने परिसर खाली कर दिया।

जानकारी के अनुसार यहां मौजूद पुराने कलेक्ट्रेट को जाने वाले मुख्य मार्ग पर कलेक्ट्रेट चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों का आवास है। जिनमें कई परिवार रहते है। बताया जा रहा है कि कल देर रात हुई तेज बारिश के चलते यहां आवासीय परिसर की एक दीवार गिर गयी। अचानक देर रात दीवार गिरने की आवाज सुनकर वहां मौजूद परिवारो में अफरा तफरी फैल गयी। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। बहरहाल आवासीय परिसर को प्रशासन द्वारा खाली कराया जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।